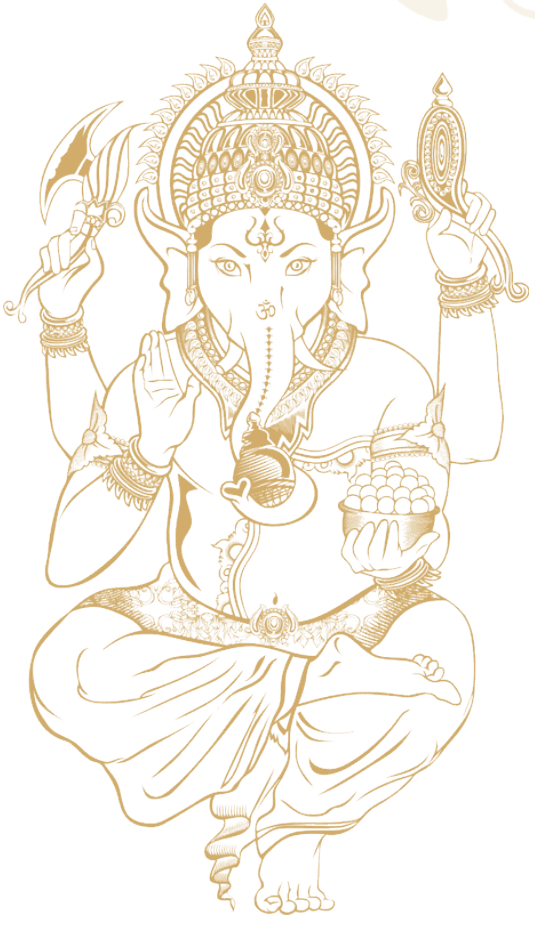

Anand Sharma

05 Mar 2011

07:35 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121572103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/03/2011**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:35:00 घंटे**
इष्ट	31:41:17 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:04:28 घंटे
वेलान्तर	-00:11:36 घंटे
साम्पातिक काल	05:56:21 घंटे
सूर्योदय	06:54:29 घंटे
सूर्यास्त	18:30:17 घंटे
दिनमान	11:35:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:37:50 कुम्भ
लग्न के अंश	05:12:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:12:35	307:47:00	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			कुंभ	20:37:50	01:00:08	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	28:29:25	11:52:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:18:19	00:47:21	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	28:00:46	01:55:49	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मीन	14:47:30	00:13:55	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			मक	10:05:33	01:11:03	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	21:58:29	00:03:37	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	05:30:56	00:14:13	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	नीच राशि
केतु	व		मिथु	05:30:56	00:14:13	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	नीच राशि
हर्ष			मीन	05:37:10	00:03:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप			कुंभ	04:58:23	00:02:13	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	13:10:26	00:01:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	05:09:03	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:05

लग्न-चलित

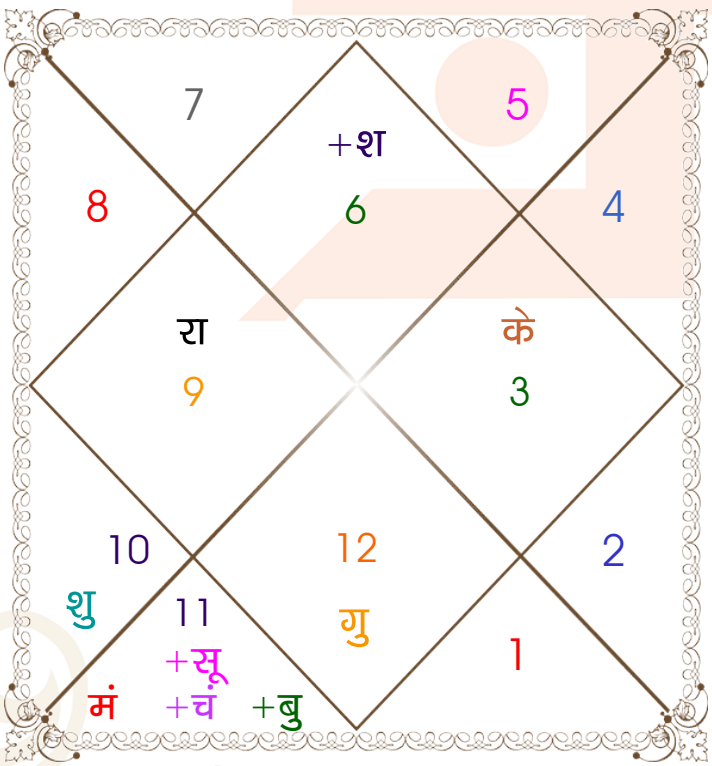

चन्द्र कुंडली

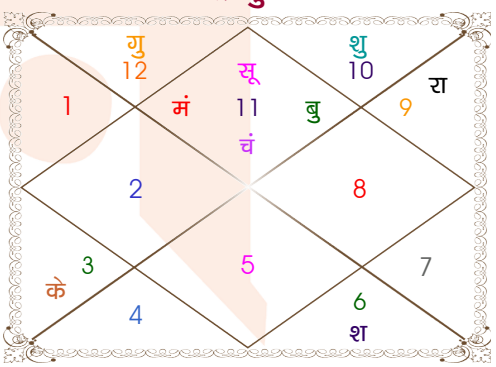

नवमांश कुंडली

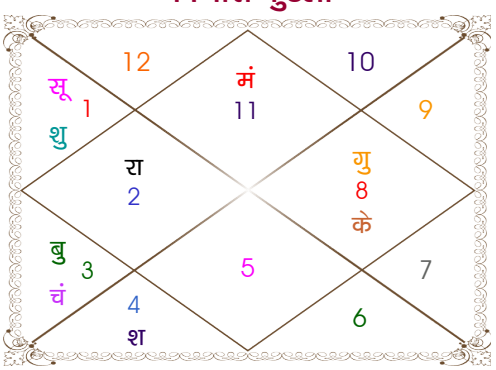

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 9 मास 22 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/03/2011		26/12/2016		27/12/2035		26/12/2052		27/12/2059	
26/12/2016		27/12/2035		26/12/2052		27/12/2059		27/12/2079	
	00/00/0000	शनि	30/12/2019	बुध	24/05/2038	केतु	24/05/2053	शुक्र	27/04/2063
	00/00/0000	बुध	08/09/2022	केतु	22/05/2039	शुक्र	24/07/2054	सूर्य	27/04/2064
	00/00/0000	केतु	18/10/2023	शुक्र	22/03/2042	सूर्य	29/11/2054	चंद्र	26/12/2065
	05/03/2011	शुक्र	17/12/2026	सूर्य	26/01/2043	चंद्र	30/06/2055	मंगल	25/02/2067
शुक्र	09/07/2011	सूर्य	29/11/2027	चंद्र	26/06/2044	मंगल	26/11/2055	राहु	25/02/2070
सूर्य	27/04/2012	चंद्र	30/06/2029	मंगल	24/06/2045	राहु	14/12/2056	गुरु	26/10/2072
चंद्र	27/08/2013	मंगल	09/08/2030	राहु	11/01/2048	गुरु	20/11/2057	शनि	27/12/2075
मंगल	02/08/2014	राहु	15/06/2033	गुरु	18/04/2050	शनि	30/12/2058	बुध	27/10/2078
राहु	26/12/2016	गुरु	27/12/2035	शनि	26/12/2052	बुध	27/12/2059	केतु	27/12/2079

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/12/2079		26/12/2085		27/12/2095		28/12/2102		27/12/2120	
26/12/2085		27/12/2095		28/12/2102		27/12/2120		00/00/0000	
सूर्य	14/04/2080	चंद्र	27/10/2086	मंगल	24/05/2096	राहु	09/09/2105	गुरु	14/02/2123
चंद्र	14/10/2080	मंगल	28/05/2087	राहु	11/06/2097	गुरु	02/02/2108	शनि	28/08/2125
मंगल	19/02/2081	राहु	26/11/2088	गुरु	18/05/2098	शनि	09/12/2110	बुध	03/12/2127
राहु	14/01/2082	गुरु	28/03/2090	शनि	27/06/2099	बुध	28/06/2113	केतु	08/11/2128
गुरु	02/11/2082	शनि	27/10/2091	बुध	24/06/2100	केतु	16/07/2114	शुक्र	06/03/2131
शनि	15/10/2083	बुध	27/03/2093	केतु	21/11/2100	शुक्र	16/07/2117		00/00/0000
बुध	20/08/2084	केतु	26/10/2093	शुक्र	21/01/2102	सूर्य	10/06/2118		00/00/0000
केतु	26/12/2084	शुक्र	27/06/2095	सूर्य	29/05/2102	चंद्र	10/12/2119		00/00/0000
शुक्र	26/12/2085	सूर्य	27/12/2095	चंद्र	28/12/2102	मंगल	27/12/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 9 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।